सांध्य दैनिक 4PM

अगर आप तेजी से चलना चाहते हैं तो अकेले चलिए। लेकिन अगर आप दूर तक चलना चाहते हैं तो साथ मिलकर चलिए।

-रतन टाटा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 11 • अंक: 303 पृष्ठ: 8 • लखनऊ, गुरुवार 11 दिसम्बर, 2025

सीरीज में बढ़त लेने के इरादे से... 7 | बिहार में जारी है चुनावी गड़बड़ियों... 3 | विपक्षी दलों के वोटरों को सूची... 2

सरकार को चुनौती नहीं स्वीकार कुछ बोले तो हो जाओगे गिरफ्तार

खुल गयी 26 साल पुरानी फाइल, भेजे गये जेल

» कफ सीरप मामले में अमिताभ ठाकुर लगातार उठा रहे थे सवाल

» योगी सरकार से अपनी जान को खतरा बताया पूर्व अईपीएस अफसर ठाकुर ने

» चलती ट्रेन से पुलिस ने उठाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जो सरकार को चुनौती देगा उसकी पुरानी फाइलें खुल सकती हैं। पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर को चलती ट्रेन से गिरफ्तार कर उनकी 26 वर्ष पुरानी एक तथाकथित आवंटन फाइल को खोल दिया गया है।

अमिताभ ठाकुर फिलवक्त कफ सीरप मामले में सरकार को बेचैन कर रहे थे। इससे पहले भी वह योगी सरकार में जेल की हवा खा चुके हैं है। कोर्ट में पेशी के बाद कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उन पर आरोप है कि एसपी देवरिया रहते हुए उन्होंने गलत तरीके से औद्योगिक प्लाट का अवांटन अपनी पत्नी के नाम करवा लिया था।

कफ सिरप मामले में कूदना पड़ा महंगा

उत्तर प्रदेश और बिहार के कई जिलों में कोडीन युक्त कफ सिरप की अवैध स्मगलिंग, बड़े पैमाने पर नशाखोरी और मेडिकल माफिया पर गंभीर आरोप सामने आए थे। बड़े फार्मा डिस्ट्रीब्यूटर्स, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों के साथ राजनीतिक संरक्षण इस पूरे धंधे में शामिल बताया गया। पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने इस मामले में सोशल मीडिया प्रेस और आरटीआई का इस्तेमाल करते हुए लगातार सवाल उठाए। उनके उठाये गये सवाल कि किसके संरक्षण में कोडीन वाली दवाइयां खुलेआम बिक रहीं? बड़े रैकेट को क्यों बचाया जा रहा है? एफआईआर के नाम पर केवल छोटे दवाइयों के दुकानदारों पर ही कार्रवाई क्यों की जा रही है। उनकी पोस्टें और बयानों ने सरकार को असहज किया क्योंकि मामला सीधे स्वास्थ्य विभाग, पुलिस और राजनीतिक संरक्षण की तिकड़ी पर सवाल खड़े कर रहा था। मामला मीडिया में उठने लगा बात हाईकोर्ट तक पहुंची और ठाकुर बार-बार कफ सिरप माफिया शब्द का इस्तेमाल कर रहे थे। नतीजा सरकार को मजबूर होकर बड़े स्तर पर छापेमारी, सस्पेंशन और ट्रांसफर करने पड़े। यह बात कई अधिकारियों को रास नहीं आई और अमिताभ ठाकुर पर अचानक 26 साल पुराना केस एक्टिव हो गया।

"उनकी आवाज को दबाने के लिए फंसाया जा रहा है : नूतन ठाकुर

अमिताभ ठाकुर ने मीडिया से चिल्ला कर कहा है कि उनकी जान को खतरा है। उनकी पत्नी नूतन ठाकुर का कहना है कि अमिताभ ठाकुर के पीछे राजनीतिक और प्रशासनिक गठजोड़ लगा है और उनकी आवाज को दबाने के लिए फंसाया जा रहा है।

बहुत से सफेदपोशों के गर्दन तक पहुंच रहा फंदा

कफ सिरप घोटाले ने कई बड़े दफ्तरों में कंपकंपी ला दी थी। कोडीन की महक से लेकर सफेद कोट वाले दरबारियों तक–पूरा सिस्टम सवालों के घेरे में आ गया। सरकार और पुलिस-स्वास्थ्य गठजोड़ की मिलीभगत पर ठाकुर ने जिस स्तर पर सवाल उठाए वो सीधे सत्ता के गले की हड्डी बन गए। कफ सिरप माफिया पर उनका हमला किसी लोकल बाबू पर नहीं था। वह उन अदृश्य चेहरों को उजागर कर रहा था जिनकी गाड़ियों पर लालबत्ती नहीं होती लेकिन फैसलों पर उनकी मुहर होती है। ठाकुर के सवाल इतनी तेज आवाज में उठे कि स्वास्थ्य विभाग को अपने ही कर्मचारियों की जांच करनी पड़ी। पुलिस लाइन से लेकर विभागीय दफ्तरों तक बेचैनी फैल गई। और बेचैनी जब सत्ता तक पहुंचती है तो वो दो ही काम करती है। या तो सुधार या बदला। इस बार सुधार कम और बदले का तड़का ज्यादा पड़ा।

पेंशन से नहीं सवालों से जिंदा रहते हैं अमिताभ ठाकुर

अमिताभ ठाकुर कोई साधारण अफसर नहीं थे। वो सिस्टम के खिलाफ खड़े होने वाले दुर्लभ लोगों में से एक हैं। जो रिटायरमेंट के बाद पेंशन से नहीं सवालों से जिंदा रहते हैं। लेकिन इस देश में सवाल पूछना सबसे महंगा शौक है। और जब सवाल कफ सिरप माफिया जैसे करोड़ों की मलाई खाने वाले नेटवर्क पर उठे तो उसकी कीमत पुरानी फाइलों में ब्याज सहित चुकानी पड़ती है। ठाकुर का अपराध यह नहीं कि उन्होंने 1999 में प्लॉट लिया था। उनका अपराध यह है कि उन्होंने 2025 में कफ सिरप घोटाले को उजागर करने की हिम्मत दिखाई। विपक्ष का दर्द भी यही है कि जिसे वह मुद्दा बनाना चाहता है सरकार उसे चुप कराने का तरीका ढूंढ लेती है। और सत्ता का दर्द यह है कि ठाकुर जैसे लोग हर बार अनकंफर्टेबल सच सामने रख देते हैं। आज की गिरफ्तारी लोकतंत्र के माथे पर एक बड़ा सवाल है कि क्या कफ सिरप में कोडीन अधिक था या सत्ता की नसों में अहंकार?

विपक्षी दलों के वोटरों को सूची से हटाना चाहती है भाजपा : अखिलेश

» बोले सपा प्रमुख- एसआईआर के जरिए एनआरसी लागू करने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। माजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने ग्रेटर नोएडा में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश सरकार पर तीखे हमला किए। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के जरिए एनआरसी लागू करने की कोशिश की जा रही है और इसका मकसद विपक्षी दलों के वोटरों को सूची से हटाना है। उन्होंने दावा किया कि 5 करोड़ से अधिक लोगों को एसआईआर फॉर्म दोबारा भरने पड़ेंगे।

फिल्म सिटी को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा को फिल्म सिटी बनाने की जरूरत नहीं है क्योंकि उनकी सरकार में पहले से कई कलाकार मौजूद हैं। गंगा सफाई पर तंज कसते हुए बोले, गंगा अभी साफ नहीं हुई, लेकिन यूपी का बजट जरूर साफ हो गया। अखिलेश यादव ने कहा कि कि एसआईआर का बहाना बनाकर पीडीएसमुदाय को बाहर किया जाएगा, उनके वोट नहीं बनाए जाएंगे, राशन कार्ड से नाम हटेंगे और आरक्षण भी छीना जाएगा। नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने अखिलेश यादव को शहर की समस्याओं से अवगत कराया। अखिलेश ने कहा कि इन मुद्दों को लोकल मैनिफेस्टो में शामिल किया जाएगा। इस मौके पर कई सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कफ सिरप मामले पर बोले-बुलडोजर का ड्राइवर चाबी लेकर गायब है

कफ सिरप मुद्दे पर अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में न्याय बुलडोजर से मिलता है, लेकिन इस मामले में बुलडोजर का ड्राइवर चाबी लेकर गायब है। उन्होंने आरोप लगाया कि घोटाले में शामिल लोग एक ही जाति से हैं और इसलिए कार्रवाई नहीं हो रही।

किसानों के समर्थन की अपील

उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल में 323 किमी सड़कें बनवाईं, किसानों की मांगें पूरी कीं और बाजार मूल्य के अनुसार मुआवज़ा दिया। किसान नेता तेवतिया के खिलाफ दर्ज सभी मुकदमे वापस लिए गए थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार किसानों की नहीं सुन रही, इसलिए किसान आंदोलन करने को मजबूर हैं।

बाबा की सरकार जाने वाली है

सपा अध्यक्ष ने 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए किसानों से समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बनने पर किसानों पर दर्ज सभी मुकदमे वापस लिए जाएंगे और मुआवज़ा राशि बढ़ाई जाएगी। अखिलेश ने कहा कि इस बार बाबा की सरकार खत्म होने वाली है और सुझाव दिया कि भारत जैसे बड़े देशों में चुनाव बैलेट पेपर से होने चाहिए।

अपनी मातृभूमि की रक्षा करना और अत्याचार का विरोध करना हमारा फर्ज : कपिल सिब्बल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

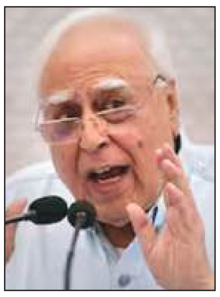

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा कि 'वंदे मातरम्' सिर्फ मातृभूमि की रक्षा करने के फर्ज के बारे में नहीं बल्कि अत्याचार का विरोध करने के बारे में भी है। 'वंदे मातरम्' की रचना के 150 साल पूरे होने पर राज्यसभा में हुई चर्चा में हिस्सा लेते हुए निर्दलीय सदस्य सिब्बल ने कहा कि अंग्रेजों के राज में आजादी के दीवानों को आतंकवादी कहा जाता था और 'वंदे मातरम्' उनका नारा था।

उन्होंने कहा, ''जो लोग अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ लड़ रहे थे उन्हें आतंकवादी कहा जाता था। उन्हें क्यों ऐसा कहा जाता था? क्योंकि वे अपने हक़ के लिए लड़ रहे थे। आज हमारे छात्र आतंकवादी बन गए हैं। हमारे पत्रकार आतंकवादी बन गए हैं। उन पर यूएपीए लगाया गया है। वे लड़ रहे हैं। उनकी लड़ाई कौन लड़ेगा? सत्ता पक्ष के लोग उनके लिए नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि सत्तारूढ़ पार्टी 'वंदे मातरम्' की बात कर रही है, जो कथित तौर पर रोज लोगों पर अत्याचार करती है। सिब्बल के भाषण के बाद भाजपा सदस्य राम चंद्र जांगड़ा ने इस बात पर आपत्ति जतायी कि निर्दलीय सदस्य सिब्बल सदन में आते या जाते समय आसन को नमन नहीं करते।

नैनो यूरिया के नाम पर किसानों को ठग रही सैनी सरकार : अभय चौटाला

» इनेलो बिक्री के खिलाफ राज्यभर में विरोध प्रदर्शन करेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला ने नैनो यूरिया को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सरकार किसानों पर नैनो यूरिया थोपकर उनके साथ धोखाधड़ी कर रही है। नैनो यूरिया असल में फोका पानी है जिसका इस्तेमाल फसल की उपज को बढ़ाने के बजाय घटा देता है। इनेलो ने नैनो यूरिया की जबरन बिक्री के खिलाफ राज्यभर में विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है।

चौटाला ने दावा किया कि नैनो यूरिया की 500 एमएल बोतल में सिर्फ 4 फीसदी नाइट्रोजन होता है जो धरती को सिर्फ 20 ग्राम नाइट्रोजन दे पाता है। जबकि धान और गेहूं जैसी प्रमुख फसलों को प्रति एकड़ 45 किलोग्राम पारंपरिक यूरिया की जरूरत होती है जिसमें 46 फीसदी नाइट्रोजन होता है। ऐसे में सरकार का यह दावा झूठा है कि 20 ग्राम नाइट्रोजन पारंपरिक यूरिया के 20 किलोग्राम के बराबर है।

उन्होंने कहा कि पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी और अन्य अनुसंधान संस्थानों की रिपोर्टें स्पष्ट कर चुकी हैं कि नैनो यूरिया के दो स्प्रे और 50 फीसदी नाइट्रोजन ट्रीटमेंट से चावल की पैदावार 13 फीसदी और गेहूं की पैदावार 17.2 फीसदी तक कम हो गई। जबकि पारंपरिक तरीके से 100 फीसदी नाइट्रोजन देने पर उपज में कोई कमी नहीं आई।

किसानों का आरोप है कि विभागीय मिलीभगत से यूरिया खाद ब्लैक में पंजाब भेजा जा रहा है जिससे स्थानीय किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे देवेंद्र सिंह ने कहा कि कठुआ से यूरिया अवैध रूप से पंजाब भेजा जा रहा है जहां इसे 450 से 500 रुपये प्रति बैग की दर से बेचा जा रहा है। स्थानीय किसानों को 270 रुपये प्रति बैग की दर से मिलने वाला यूरिया नसीब नहीं हो रहा।

मैडम सिद्धू से कोर्ट में ही मिलूंगा : रंधावा

» पंजाब कांग्रेस में चरम पर मची है कलह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़ । पंजाब कांग्रेस में कलह अपने चरम पर पहुंच गई है। नवजोत कौर सिद्धू के बयानों पर सियासत गरमाई हुई है। एक दूसरे को नोटिस भी भेजने शुरू हो चुके हैं। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा ने भी कोर्ट जाने की बात कही है। रंधावा ने मैडम सिद्धू के बयान पर कहा कि अब हम कोर्ट में बात करेंगे।

अब तो सुखजिंदर सिंह रंधावा की पग का सवाल है। राजनीति में ऐसी बातें होती रहती हैं, इसमें नया कुछ नहीं है। लेकिन यह सच है कि मेरे माता-पिता का नवजोत सिद्धू के माता-पिता से दोस्ताना रिश्ता था। इस तरह के आरोप लगाना शर्मनाक है। यह तो सिर्फ सिद्धू ही बता सकते हैं कि उन्होंने अपनी पत्नी से ऐसी बातें कही थीं या उनकी पत्नी खुद ही ऐसा कह रही हैं। डा. सिद्धू ने मीडिया, प्रिंट और सोशल मीडिया पर दावा किया कि जोशी ने कांग्रेस में शामिल होने के लिए पैसे दिए, जो पूरी तरह झूठ है। नोटिस में मांग की गई है कि डा. सिद्धू तुरंत ऐसे

बयान देना बंद करें, सार्वजनिक रूप से माफी मांगें और सभी मीडिया प्लेटफॉर्म पर स्पष्ट खंडन करें। सात दिनों के भीतर अनुपालन न होने पर उनके खिलाफ क्रिमिनल डिफेमेशन और सिविल रेमेडीज की कार्रवाई की जाएगी। नोटिस उनके अमृतसर स्थित आवास पर रजिस्टर्ड पोस्ट से भेजा गया। इससे पहले कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने भी डा. सिद्धू को कानूनी नोटिस भेजा था। कांग्रेस नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला अब कानूनी मोड़ ले रहा है। वर्ष 2017 के निगम चुनावों में टिकटें बेचने के आरोपों को लेकर डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने अपने मुंह बोले बेटे और जिला कांग्रेस शहरी प्रधान सौरभ मदान (मिट्ठू) को 10 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस भेजा है।

पूर्व मंत्री अनिल जोशी ने सिद्धू को भेजा मानहानि का नोटिस

पूर्व कैबिनेट मंत्री अनिल जोशी ने डॉ. नवजोत कौर सिद्धू को लीगल नोटिस भेजा है। यह नोटिस उनके मीडिया इंटरव्यू में दिए कथित झूठे और मानहानि करने वाले बयानों के लिए जारी किया गया। नोटिस न्यू चंडीगढ़ के वकील सौमन सिंह गिल और रितेश वाट्स द्वारा जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि जोशी ने कभी कांग्रेस या अकाली दल में शामिल होने के लिए पैसे नहीं दिए और न ही किसी राजनीतिक पद या सदस्यता के लिए कोई भुगतान किया।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

वीर सावरकर अवॉर्ड के नाम का ऐलान होने पर भड़के शशि थरूर

कांग्रेस नेता बोले बिना पूछे कैसे घोषणा कर दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बुधवार को वीर सावरकर अवॉर्ड मिलने पर सफाई देते हुए कहा कि उन्हें इसके बारे में कल केरल में रहते हुए ही पता चला। साथ ही उन्होंने इसको लेकर ऐतराज भी जताया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, मुझे मीडिया रिपोर्ट्स से पता चला है कि मुझे वीर सावरकर अवॉर्ड के लिए चुना गया है, जो आज दिल्ली में दिया जाएगा। मुझे इस घोषणा के बारे में कल केरल में पता चला, जहां मैं स्थानीय स्व-सरकारी चुनावों में वोट देने गया था।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा, तिरुवनंतपुरम में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए,

मैंने यह साफ किया था कि मुझे ऐसे किसी अवॉर्ड के बारे में न तो पता था और न ही मैंने उसे स्वीकार किया था और मेरी सहमति के बिना मेरा नाम की घोषणा करना ऑर्गनाइजर्स की तरफ से गैर-जिम्मेदाराना था। इसके बावजूद, आज दिल्ली में कुछ मीडिया आउटलेट्स वही सवाल पूछ रहे हैं। उन्होंने कहा, इसलिए, मैं इस मामले को साफ तौर पर स्पष्ट करने के लिए यह बयान जारी कर रहा हूं। अवॉर्ड के स्वरूप, इसे देने वाले संगठन या किसी अन्य संदर्भ से जुड़ी जानकारी साफ न होने के कारण, आज मेरे इस कार्यक्रम में शामिल होने या अवॉर्ड स्वीकार करने का सवाल ही नहीं उठता। वीर सावरकर इंटरनेशनल इम्पैक्ट अवॉर्ड 2025 का आयोजन बुधवार को नई दिल्ली में होगा। इसमें यह भी बताया गया कि यह कार्यक्रम एनडीएमसी कन्वेंशन हॉल में होगा और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी समारोह में मौजूद रहेंगे।

बिहार में जारी है चुनावी गड़बड़ियों पर रार

बिहार की जनता नहीं हारी, व्यवस्था ने जनता को हराया

» राजद नेता ने सरकार को घेरा, बैलेट पेपर से चुनाव की मांग

» हम लोकतंत्र की असली आवाज फिर से स्थापित करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में नई सरकार बने एक महीने को होने को है। पर सत्ता पक्ष व विपक्ष में अब भी चुनावी प्रक्रिया पर वार-पलटवार जा रही है। लोकसभा में राजद संसदीय दल के नेता और औरंगाबाद सांसद अभय कुमार सिंह ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में हुई चुनावी अनियमितताओं, सरकारी दुरुपयोग और चुनाव आयोग की निष्क्रियता पर कड़ा रुख अपनाया।

उन्होंने कहा कि जिस बिहार को लोकतंत्र की मां कहा जाता है, वही आज गहरे चुनावी संकट में फंसा हुआ है। चर्चा के दौरान जब संबंधित मंत्री चुनाव सुधार के मुद्दे से हटकर परिवारवाद का आरोप लगाने लगे, तो सांसद अभय सिंहा ने कड़ा प्रतिवाद किया। अंत में सांसद ने कहा, बिहार की जनता नहीं हारी, व्यवस्था ने जनता को हराया। लेकिन बिहार कभी हार मानने वाला नहीं है। हम लोकतंत्र की असली आवाज़ फिर से स्थापित करेंगे।

सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग

अभय सिंह ने कहा कि जीविका दीदी, आंगनबाड़ी सेविका, आशा कार्यकर्ता और अन्य सरकारी कर्मचारियों पर एनडीए के पक्ष में काम कराने का दबाव बनाया गया। उन्होंने इसे लोकतंत्र का सबसे अनैतिक अपमान बताया। सांसद ने कहा कि महिलाओं के खातों में 17 अक्टूबर, 2 नवंबर और 7 नवंबर को 10-10 हजार रुपये भेजे गए, जो आचार संहिता की धारा 7 का स्पष्ट उल्लंघन है और चुनाव को प्रभावित करने के लिए किया गया कदम था।

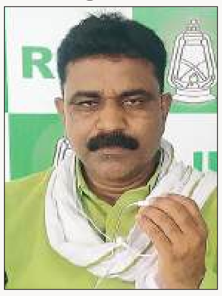

उन्होंने बताया कि बिहार में 65 लाख नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए, जिनमें ज्यादातर दलित, पिछड़ा वर्ग, मुस्लिम और प्रवासी मजदूर शामिल थे। उन्होंने कहा, यह जनादेश नहीं था, यह जनादेश का मैनेजमेंट था।

लोकतंत्र सड़क पर बिखरा पड़ा

सांसद सिंह ने आरोप लगाया कि 27 अक्टूबर, 31 अक्टूबर और 4 नवंबर को प्रधानमंत्री और कई मंत्रियों ने साम्प्रदायिक और भड़काऊ भाषण दिए, जो आदर्श आचार संहिता और आईपीसी की धारा 153 ए का सीधा उल्लंघन था। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने सिर्फ सावधानी कहकर अपनी जिम्मेदारी से भागने की कोशिश की। समस्तीपुर के सरायरंजन में सड़क पर बड़ी संख्या में मिली वीवीपैट स्लिप्स पर उन्होंने कहा, वहां लोकतंत्र सड़क पर बिखरा पड़ा था। अगर ये मॉक पोल स्लिप्स थीं, तो एफआईआर और निलंबन क्यों किया गया?

बैलेट पेपर की वापसी की मांग और सरकार को खुली चुनौती

सांसद ने कहा कि जनता का भरोसा अब EVM और VVPAT पर लगातार कम हो रहा है। इसलिए बैलेट पेपर को फिर से लागू करना ज़रूरी है। उन्होंने सरकार को चुनौती देते हुए कहा, अगर आपको अपनी लोकप्रियता और लोकतंत्र की पारदर्शिता पर भरोसा है, तो पश्चिम बंगाल में बैलेट पेपर से चुनाव कराइए। तब देश देखेगा असली फ्री एंड फेयर इलेक्शन क्या होता है। उन्होंने कहा कि जब बार-बार गड़बड़ियां सामने आ रही हैं, तो बैलेट पेपर ही एक पारदर्शी विकल्प है, जो जनता का भरोसा मजबूत कर सकता है।

परिवारवाद देखना है तो एनडीए के भीतर देखिए

परिवारवाद पर उन्होंने कहा,अगर परिवारवाद देखना है तो एनडीए के भीतर देखिए। पति-पत्नी, समधी-समधन, ससुर-पोते, मामा-भांजे-सबको टिकट दिया गया है। और सरकार बनने पर ऐसे व्यक्ति को मंत्री बनाया गया जो विधायक भी नहीं है। परिवारवाद का असली केंद्र आपकी गठबंधन राजनीति है। उन्होंने कहा कि मंत्री जानबूझकर मुद्दे को भटका रहे हैं ताकि असल सवाल-चुनाव सुधार और चुनावी अनियमितताओं पर बात न हो।

यूपी बीजेपी अध्यक्ष के चुनाव के लिए तैयारी पूरी

» इसी सप्ताह मिल सकता है नया प्रदेश अध्यक्ष

» लंबे समय से चल रही थी कवायद

» राजधानी में जल्द होगी घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में भाजपा अपना नया सिपहसलार पर जोर आजमाइश कर रही है। उम्मीद है कि एक सप्ताह में उसे नया प्रदेश अध्यक्ष मिल जाएगा। सियासी गलियारें में ऐसी चर्चा है किसी महिला या दलित को इसबार कमान दी जा सकती है। चूंकि 2027 में यूपी में विधान सभा चुनाव होने हैं ऐसे में बीजेपी उसको भी नजर में बिठकार कोई भी रणनीति बनाएगी। शीर्ष नेतृत्व किसी भी तरह से विधान सभा चुनाव में जीत हासिल करना चाहती है।

उसकी मंशा ऐसे नेता को जिम्मेदारी देने की है जो उसे वोट दिलवा सके। प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष के चुनाव के लिए प्रांतीय परिषद के 327 सदस्यों का चयन पूरा कर लिया गया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को यूपी चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है और वे जल्द लखनऊ पहुंचेंगे। नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा संभवतः 16 दिसंबर से पहले की जाएगी क्योंकि उस दिन से खरमास शुरू हो जाता है।

इस पद पर कई दावेदार

बीजेपी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, 12 दिसंबर को यूपी बीजेपी को नया अध्यक्ष मिल सकता है। पीयूष गोयल कल शाम को लखनऊ आ सकते है और परसों सुबह नामांकन की औपचारिकता पूरी कर नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम का एलान दोपहर बाद कर दिया जाएगा। संभावित दावेदारों में पूर्व केंद्रीय मंत्री निरंजन ज्योति, केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा, दलित नेता विद्यासागर सोनकर, पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा का भी नाम है, निरंजन ज्योति ने कुछ दिनों पहले नड्डा से मुलाकात भी की थी। आगरा और इटावा से लोकसभा सांसद रहे रामशंकर कठेरिया का नाम भी संभावितों की सूची में बताया जा रहा है। यूपी में दलितों की आबादी करीब 21 फीसदी है और 2027 विधानसभा चुनाव के पहले दलित या ओबीसी पर दोबारा दांव खेल सकती है। ऐसे में कठेरिया पर पार्टी दांव लगा सकती है। बीजेपी 2027 विधानसभा चुनाव के पहले समाजवादी पार्टी के PDA फार्मूले की काट के तौर पर भी पिछड़ा वर्ग या दलित वर्ग के किसी नेता को प्रदेश की कमान सौंप सकती है।

प्रांतीय परिषद के सदस्य चुने गए

यूपी बीजेपी अध्यक्ष के चुनाव के लिए तैयारी पूरी हो गई है। चुनाव के लिए आवश्यक प्रांतीय परिषद के सदस्य चुन लिए गए हैं। 403 विधानसभा सीटों में से 327 सदस्य चुन लिए गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में प्रांतीय परिषद के सदस्य वोट डालते हैं। 98 में से 84 संगठन जिलों के चुनाव भी संपन्न हुए हैं। अब किसी भी समय प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की घोषणा की जा सकती है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को उत्तर प्रदेश के लिए चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके लखनऊ पहुंचने पर नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा होगी। संभावना है कि सोलह दिसंबर से पहले घोषणा हो जाए। 16 दिसंबर से खरमास शुरू हो रहा है जो 14 जनवरी तक चलेगा। इस दौरान बीजेपी में बड़े काम न करने की परंपरा है।

महिला कार्ड भी भाजपा चल सकती है

हालांकि अगर निरंजन ज्योति की बात की जाए तो पिछड़ा वर्ग की मल्लाह जाति से आने के साथ वो महिला भी हैं। ऐसे में महिला कार्ड भी भाजपा चल सकती है। बिहार, बंगाल, झारखंड से लेकर तमाम राज्यों के विधानसभा चुनाव में महिला वोटर गेमचेंजर के तौर पर सामने आई हैं। ऐसे में निरंजन ज्योति को भी प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है। उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के इतिहास की बात करें तो अभी तक कभी किसी महिला को प्रदेश अध्यक्ष नहीं बनाया गया है। उत्तर प्रदेश में दो उप मुख्यमंत्री हैं, जिनमें डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ब्राह्मण वर्ग और केशव प्रसाद मौर्य ओबीसी समाज से आते हैं। जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ क्षत्रिय समाज से आते हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

सेना व न्यायिक सेवा में महिलाओं की भागीदारी बढ़े

भारत में महिलाएं हर क्षेत्र में बढ़चढ़ कर भाग ले रही हैं। पर सेना व न्यायिक सेवा उनकी संख्या सीमित है। उनकी भागीदारी और बढ़ाना आवश्यक है। उनकी मात्रा बढ़ने महिला सरोकारों का संरक्षण और बढ़ेगा। कानूनी पेशे में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए स्कूल-कॉलेज स्तर पर 'लीगल अवेयरनेस क्लब' बनाए जाएं। जहां लड़कियां कानून को करियर के रूप में समझ सकें। महिला छात्रों के लिए विशेष इंटर्नशिप व कोर्ट विजिट कार्यक्रम शुरू हों, जिससे वे व्यावहारिक वातावरण से जुड़ सकें। कानून फर्मों और न्यायालयों में सुरक्षित कार्यस्थल, जेंडर-न्यूट्रल नीतियां और मेंटोरशिप सेल अनिवार्य किए जाएं। जब अवसर, सुरक्षा और मार्गदर्शन तीनों मिलेंगे, तब कानूनी क्षेत्र में महिलाओं की उपस्थिति स्वाभाविक रूप से मजबूत और प्रभावी होगी। कानूनी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी तभी बढ़ेगी जब देश में लैंगिक समानता ही सर्वोपरि होगी। आज भी कई गांवों में महिलाओं को पढ़ाई करने पर रोका जाता हैं, जिससे महिलाओं में हुनर और कला होने के बावजूद पीछे रह जाती हैं। अगर महिलाओं को पढ़ने का अधिकार मिलेगा तभी तो वे आगे आकर वकील और जज बन सकेंगी।

कानूनी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए समान अवसर, सुरक्षित कार्यस्थल और लैंगिक संवेदनशील वातावरण आवश्यक है। विधि महाविद्यालयों में छात्रवृत्ति, मेंटरशिप और इंटर्नशिप अवसर बढ़ाए जाएं। भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और आरक्षण लागू हो। मातृत्व-अनुकूल नीतियां, लचीला कार्यसमय तथा नेतृत्व पदों पर महिलाओं को प्रोत्साहन दिया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में कानूनी जागरूकता अभियान भी उनकी भागीदारी बढ़ा सकते हैं। महिलाओं की कानूनी क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाने के लिए लॉ शिक्षा में प्रोत्साहन देना चाहिए। सुरक्षित कार्यस्थल और सरकारी सहयोग भी आवश्यक हैं। छात्रवृत्ति, इंटर्नशिप, बार काउंसिल में आरक्षण, उच्च पदों जैसे जज आदि में समान अवसर और जागरूकता कार्यक्रम उनके लिए आसान और सुरक्षित मार्ग बनाते हैं। कानूनी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सुरक्षित, प्रोत्साहनपूर्ण एवं समान अवसर वाला वातावरण आवश्यक है। विधि महाविद्यालयों में छात्रवृत्ति, मेंटरशिप और इंटर्नशिप के विशेष अवसर महिलाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। कार्यस्थल पर लैंगिक संवेदनशीलता, लचीले कार्य समय व सुरक्षित ढांचे से उनकी निरंतरता बढ़ती है। उच्च न्यायालयों व बार एसोसिएशनों में नेतृत्व अवसर बढ़ाकर निर्णय-निर्माण में उनकी भूमिका सशक्त की जा सकती है। कानूनी क्षेत्र में महिलाओं की

"जब अवसर, सुरक्षा और मार्गदर्शन तीनों मिलेंगे, तब कानूनी क्षेत्र में महिलाओं की उपस्थिति स्वाभाविक रूप से मजबूत और प्रभावी होगी। कानूनी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी तभी बढ़ेगी जब देश में लैंगिक समानता ही सर्वोपरि होगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ट्रंप के शांति समझौते को नकार फिर संघर्ष

पुष्परंजन

ट्रंप ने जिस युद्ध विराम के हवाले से नोबेल पीस प्राइज पाने की दावेदारी ठोकी थी, वो एक झटके में एक्सपोज हो गई है। युद्ध विराम इतनी जल्दी टूट जायेगा, इसकी आशा व्हाइट हॉउस को भी नहीं थी। 8 दिसंबर को फिर से हुई झड़पों के लिए दोनों पक्ष एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे थे। महीनाभर पहले 10 नवंबर को एक थाई सैनिक के लैंडमाइन से घायल होने के बाद से तनाव बढ़ गया था। कंबोडिया का आरोप है कि वह कई सौ किलोमीटर तक फैली एक साझा सीमा के कई विवादित हिस्सों पर थाई हमले का शिकार है। देश के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, थाई गोलाबारी में सात कंबोडियन नागरिक मारे गए हैं और 20 अन्य घायल हुए हैं। दूसरी ओर बैंकॉक ने नोम पेन्ह पर आरोप लगाया है, कि व्हाइट हाउस द्वारा खून-खराबा रोकने की चेतावनी के बावजूद उसने बॉर्डर पार रॉकेट हमले किए।

कंबोडिया की सीमा कुल तीन देशों से मिलती है। पश्चिम और उत्तर में थाईलैंड है, तो उत्तर में लाओस स्थित है। पूर्व और दक्षिण पूर्व में वियतनाम है तो दक्षिण में कंबोडिया की सीमा थाईलैंड की खाड़ी से मिलती है। 9 नवंबर, 1953 को फ्रांस ने कंबोडिया को आजाद कर दिया। वर्ष 1863 से 1953 के कालखंड में कंबोडिया पर फ्रांस के कब्जे के दौरान ही थाईलैंड (जिसे उस समय सियाम कहा जाता था) के साथ कंबोडिया की सीमाएं तय की गई थीं, विशेषकर 1907 के सीमा निर्धारण में, जिससे कई विवादित क्षेत्र बने, उनमें से एक है प्रीह विहियर मंदिर, जो आज भी दोनों देशों के बीच तनाव का कारण है। प्रीह विहियर मंदिर पर थाई-कंबोडियाई क्षेत्रीय विवाद 2008 में भड़क गया, जब थाई सरकार ने एक संयुक्त विज्ञप्ति पर सह-हस्ताक्षर किया, जिसने मंदिर को विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध करने के लिए यूनेस्को को कंबोडिया के अनुरोध का समर्थन किया। इस कदम से थाईलैंड में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और यहां तक कि 2008 से 2011 की अवधि में दोनों देशों के बीच सशस्त्र झड़पें भी हुईं। इस साल अक्टूबर तक थाई-कम्बोडिया के बीच फुल स्केल वॉर में 40 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, और लगभग 40 हजार से अधिक लोगों को विस्थापित होना पड़ा। विवाद से निपटारे के लिए द्विपक्षीय वार्ता विफल रही। आसियान द्वारा मध्यस्थता और शांति स्थापना प्रयासों के साथ भी यही हुआ। फिर आसियान सम्मेलन के दौरान 25 अक्टूबर, 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने घोषणा की थी कि उन्होंने थाईलैंड और कंबोडिया के बीच 'ऐतिहासिक' शांति समझौते पर हस्ताक्षर करवा दिये हैं। ट्रम्प ने उसे आधार बनाकर नोबेल शांति पुरस्कार की दावेदारी ठोक दी। अब इसका मजाक बनना शुरू हो चुका है। अब सवाल यह है, क्या ट्रंप केवल शांति समझौता का क्रेडिट लेने की जल्दी में थे? क्या उन्हें समस्या की तह तक नहीं जाना चाहिए था? ट्रंप इसी तरह शांति स्थापना की सतही घोषणा भारत-पाकिस्तान के सन्दर्भ में करते रहे हैं। यूक्रेन-रूस के बीच शांति प्रयासों का मजाक अलग बन रहा है। ट्रंप की तथाकथित शांति स्थापना से गजा में शांति नहीं दिख रही। विश्लेषकों का कहना है कि युद्धविराम के बाद से गजा में इस्राइल द्वारा फलस्तीनियों की हत्या की दर धीमी हो गई है, लेकिन युद्ध जारी है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि गजा में युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिकी मध्यस्थता वाली योजना का दूसरा चरण करीब है।

लेकिन मुख्य मुद्दों को अभी भी हल करने की जरूरत है। मतलब साफ है, ट्रम्प ने जहां-जहां शांति स्थापना का ढोल पीटा, वहां अशांति दोबारा भड़की है। कंबोडिया और थाईलैंड के बीच दोबारा से युद्ध छिड़ जाना ट्रम्प की विफलता का दूसरा उदाहरण है। मलेशिया, जो अभी आसियान का चेयरमैन है, ने बीच-बचाव करने की पेशकश की थी। मगर, इस हड़बड़ी के विवाद में मलेशिया भी कम दोषी नहीं है। वह इसे डिप्लोमैटिक जीत मान रहा था, लेकिन उसने अंदर की अनसुलझी शिकायतों को नजरअंदाज कर दिया।

पिछली 25 अक्टूबर, 2025 को आत्ममुग्ध ट्रम्प ने सीजफायर की घोषणा के बाद, इसका पूरा क्रेडिट लिया। सोशल मीडिया पोस्ट पर ट्रंप ने कहा था, 'मैंने थाईलैंड के एक्टिंग प्राइम मिनिस्टर और कंबोडिया के प्राइम मिनिस्टर से बात की। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि दोनों टैरिफ धमकी के बाद शांति समझौते के लिए राजी हो गए हैं। सभी को बधाई। मैंने अपनी ट्रेड टीम को बातचीत फिर से शुरू करने का निर्देश दिया है।' अफसोस, सिर्फ 42 दिन बाद ट्रम्प के तथाकथित शांति समझौते की धज्जियां उड़ गईं। ठीक से देखा जाये, तो उन दिनों चीन की भागीदारी ज्यादा बारीक थी। चीन ने धमकाने की बजाय डिप्लोमैटिक ऑब्जर्वर तैनात करते हुए क्षेत्रीय संयम और आसियान प्रक्रिया का सम्मान करने की आम अपील की। 27 जुलाई, 2025 को विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया था, 'चीन दोनों तरफ हुए नुकसान से बहुत दुखी है।

कामकाजी संस्कृति को मानवीय बनाने की पहल

डॉ. जगदीप सिंह

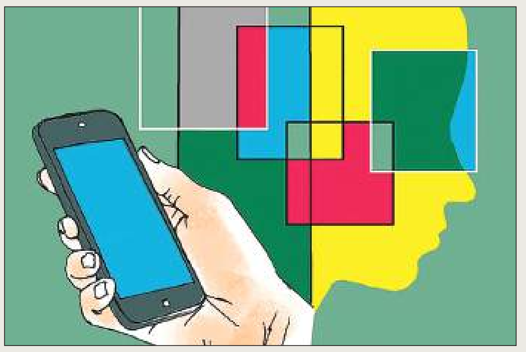

सुप्रिया सुले का यह विधेयक अगर स्थायी समिति को भेजा जाता है तो उसके पास मौका होगा कि वह भारत के कामकाजी संस्कृति को वाकई मानवीय बनाए। यह नींद, परिवार, स्वास्थ्य और सम्मान की बात है। इंसान को यह अधिकार तो मिलना ही चाहिए कि वह रात में चैन की नींद सो सके। अगर यह कोशिश कानून बन गई तो भारत की करोड़ों थकी आंखों के लिए यह सबसे बड़ा तोहफा होगा।

लोकसभा के शीतकालीन सत्र में बारामती की सांसद सुप्रिया सुले ने 'द राइट टू डिस्कनेक्ट बिल, 2025' पेश किया। पहली बार कोई विधेयक उनके अपने 24×7 बजते फोन को चुप कराने की बात कर रहा था। यह निजी सदस्य विधेयक कर्मचारियों, अधिकारियों और विधायकों-सांसदों को कार्य-समय के बाहर फोन कॉल, ई-मेल या किसी भी काम से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक संचार का जवाब देने से कानूनी रूप से पूरी तरह मुक्त करता है। यह प्रस्ताव करोड़ों थके-हारे कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों की चैन की नींद के लिए आवाज है। विधेयक के प्रमुख प्रावधानों में उल्लेख है कि कार्य-समय के बाद अवकाश के दौरान नियोक्ता कर्मचारी से काम का संचार करने का दबाव नहीं डाल सकेगा। उल्लंघन पर संगठन के कुल वार्षिक वेतन बिल का एक प्रतिशत तक जुर्माना लगाने का प्रस्ताव है।

एक नई 'एम्प्लॉयी वेलफेयर अथॉरिटी' प्रावधान होगा, जो डिस्कनेक्ट पॉलिसी लागू करवाएगी, डिजिटल डिटॉक्स सेंटर चलाएगी और काउंसलिंग मुहैया कराएगी। हर कंपनी को साल में कम से कम एक बार अपनी डिस्कनेक्ट पॉलिसी की समीक्षा करनी होगी। साथ ही, कर्मचारी यूनियन या प्रतिनिधियों से लिखित सहमति लेनी होगी। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की 2024 रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय औसतन 2,277 घंटे सालाना काम करते हैं—जापान से 600 घंटे और जर्मनी से 900 घंटे अधिक। नैसकॉम के सर्वे में 62 प्रतिशत आईटी कर्मचारियों ने माना कि उन्हें रात दस बजे के बाद भी काम के मैसेज आते हैं। सीईडीए-सीएमआईई के आंकड़े बताते हैं कि बर्नआउट की वजह से हर साल 46 प्रतिशत युवा कर्मचारी नौकरी छोड़ रहे हैं। एक आरटीआई जवाब में खुलासा हुआ कि 2020-2024 के बीच केंद्रीय सचिवालय के अठारह कर्मचारियों ने अत्यधिक कार्य-दबाव के कारण आत्महत्या की। सांसदों-विधायकों की स्थिति भी दयनीय है। एक सांसद के फोन में औसतन 300-400 वॉट्सएप ग्रुप होते हैं। ?

रात दो बजे भी कोई मरीज अस्पताल में भर्ती कराने की गुहार लगा दे तो जवाब देना 'राजनीतिक मजबूरी' बन जाता है। सुप्रिया सुले ने स्वयं स्वीकार किया कि वे रात में फोन साइलेंट नहीं कर पातीं। सुप्रिया सुले का यह दूसरा प्रयास है। वर्ष 2019 में भी उन्होंने विधेयक पेश किया था, लेकिन आगे नहीं बढ़ सका। वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार ने चार नए श्रम संहिता लागू किए, लेकिन उनमें 'राइट टू डिस्कनेक्ट' का कोई उल्लेख नहीं है। उल्टे ओवरटाइम की सीमा बढ़ा दी गई। इसी सत्र में शशि थरूर, मनीष तिवारी और कनिमोझी ने भी काम के घंटे और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विधेयक पेश किए हैं।

वर्ष 2024 में केरल सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए 'शाम छह बजे के बाद नो वॉट्सएप' का सर्कुलर जारी किया था, पर अफसरों के विरोध के कारण उसे वापस लेना पड़ा। तेलंगाना और कर्नाटक के आईटी हब और कुछ स्टार्टअप्स ने स्वेच्छा से 'इवनिंग डिस्कनेक्ट पॉलिसी' शुरू की है। भारत की 92 प्रतिशत श्रमशक्ति असंगठित क्षेत्र और छोटे-मध्यम उद्योगों में है, वहां न्यूनतम मजदूरी भी मुश्किल से मिलती है। यहां तो डिस्कनेक्ट का सवाल ही नहीं उठता। फ्रांस ने वर्ष 2017 में सबसे सख्त कानून बनाया और 50 से अधिक कर्मचारियों वाली हर कंपनी को डिस्कनेक्ट पॉलिसी अनिवार्य की। बेल्जियम, स्पेन, पुर्तगाल, इटली, आयरलैंड और हाल ही में ऑस्ट्रेलिया (2024) ने भी इसे कानूनी अधिकार बना दिया। इन देशों से तीन बड़ी सीखें हैं-पहली, कानून से ज्यादा प्रवर्तन तंत्र मायने रखता है।

दूसरी, छोटे उद्यमों को शुरुआती छूट और ट्रेनिंग जरूरी है। तीसरी, जुर्माना कंपनी के टर्नओवर से जोड़ा जाए ताकि छोटी कंपनियां दिवालिया न हो जाएं-ऑस्ट्रेलिया ने यही किया। भारत के लिए आगे तीन रास्ते संभव हैं। पहला, इस विधेयक को सरकारी विधेयक बनाकर श्रम संहिता-2020 में संशोधन के रूप में लाया जाए। दूसरा, शुरुआत में इसे सरकारी क्षेत्र और 250 से अधिक कर्मचारियों वाली कंपनियों पर ही लागू किया जाए। तीसरा, फ्रांस की तर्ज पर हर कंपनी को अपना 'डिस्कनेक्ट चार्टर' बनाने को बाध्य किया जाए, जिसमें कर्मचारी प्रतिनिधि भी शामिल हों। सुप्रिया सुले का यह विधेयक अगर स्थायी समिति को भेजा जाता है तो उसके पास मौका होगा कि वह भारत के कामकाजी संस्कृति को वाकई मानवीय बनाए। यह नींद, परिवार, स्वास्थ्य और सम्मान की बात है। इंसान को यह अधिकार तो मिलना ही चाहिए कि वह रात में चैन की नींद सो सके। अगर यह कोशिश कानून बन गई तो भारत की करोड़ों थकी आंखों के लिए यह सबसे बड़ा तोहफा होगा।

घर पर बनाएं क्रिस्पी समोसे

शाम 4 बजते ही हर किसी का मन कुछ चटपटा खाने को करने लगता है। ऐसे में लोग बाजार में मिलने वाले समोसे, चाट, पापड़ी, मोमो, गोलगप्पे खाकर अपना मन खुश करते हैं। पर रोज-रोज बाहर का खाना आपकी सेहत को भी नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में हम आज आपको कुछ ऐसा नाश्ता तैयार करने की विधि बताएंगे, जिसे एक बार बनाकर आप महीने भर के लिए स्टोर कर सकते हैं। यहां हम बात कर रहे हैं दाल के समोसे की, जी हां मूंग दाल का समोसा आसानी से एक महीने तक चल जाता है और इसके खराब होने की संभावना नहीं होती। ऐसे में आप भी बनाकर स्टोर कर लीजिए और रोज-रोज बाहर के खाने से छुट्टी पाइए।

मूंगदाल की स्टफिंग बनाने का सामान

मूंग दाल (बिना छिलके)- 1 कप, सौंफ - 1 टीस्पून,‹धनिया पाउडर - 1 टीस्पून, लाल मिर्च पाउडर - ½ टीस्पून, अमचूर पाउडर- 1 टीस्पून, गरम मसाला - ½ टीस्पून, नमक - स्वादानुसार, हींग - 1 चुटकी, तेल।

मैदा गूंथने का सामान

मैदा - 2 कप, नमक - स्वादानुसार, अजवायन - ½ टीस्पून, घी - 4 टेबलस्पून (मोयन के लिए), पानी।

विधि

समोसा बनाने के लिए सबसे पहले मैदा गूंथ कर साइड में रखनी है, क्योंकि इस मैदा को सेट होने में थोड़ा समय लगता है। मैदा गूंथने के लिए सबसे पहले मैदे में नमक, अजवायन और मोयन का तेल डालें। अब इसे हाथ से धीरे-धीरे मिक्स करें। जब ये हल्का गुंथ जाए तो थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए इसका टाइट मैदा गूंथ लें। जब ये पूरी तरह से सेट हो जाए तो इसे ढक कर रख दें। इसके बाद बारी आती है स्टफिंग तैयार करने की तो सबसे पहले तो भीगी हुई मूंग की दाल को मिक्सी में डालकर दरदरा पीस लें। इसके बाद कढ़ाही गर्म करें और उसमें थोड़ा सा तेल डालें। अब इस तेल में सौंफ और हींग डालकर भूनें। इसके बाद पिसी हुई दाल इसमें डालें और सुनहरा होने तक अच्छी तरह से भूनें। इसके बाद इसमें सभी बचे हुए मसाले और नमक डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें। मसाला तैयार होने के बाद इसे भी थोड़ी देर ऐसे ही रख दें और ठंडा होने दें। जब स्टफिंग ठंडी हो जाए तो शुरू करें समोसा बनाना। इसके लिए गुंथे हुए मैदा की छोटी लोई लेकर उसे बेलें और फिर इसे बीच में काटकर समोसे तैयार करें। किनारों पर पानी लगाकर समोसा अच्छी तरह से पैक कर दें और फिर इसे गर्म तेल में तल लें। सुनहरा होने के बाद इसे निकालकर एक टिश्यू में निकाल लें और बस आपके समोसे तैयार हैं। इसे आप चाय के साथ मेहमानों को परोस सकते हैं।

ओट्स से बनाएं ये चटपटे पकवान

ओट्स एक ऐसा पकवान है, जिसका सेवन वो लोग ज्यादा करते हैं, जो अपनी हेल्थ का ज्यादा ध्यान रखते हैं। ये काफी हेल्दी पकवान होता है। खासतौर पर सुबह के नाश्ते में तो लोगों को सबसे सही विकल्प लगता है कि वो ओटमील बाउल तैयार करें, और उसका सेवन करें। यदि आपको भी ओट्स पसंद हैं, लेकिन आप बोरिंग ओट्स खाते-खाते बोर हो गए हैं, तो आप ओट्स से बने ये दो पकवान खा सकते हैं। इन दोनों चीजों को आप आसानी से नाश्ते में तैयार कर सकते हैं। इन्हें बनाना भी काफी आसान है।

उपमा बनाने का सामान

ओट्स- 1 कप, पानी- 2 कप, प्याज- 1, हरी मिर्च- 1, जीरा - 1/2 टीस्पून, सरसों के दाने - 1/2 टीस्पून, करी पत्ते - 6-7, हरी सब्ज़ियां (मटर, गाजर)- 1/2 कप, नमक स्वादानुसार, तेल - 1 टेबलस्पून, हरा धनिया।

विधि

अब जान लेते हैं कि ओट्स उपमा कैसे बनाना है। उसके लिए सबसे पहले तो ओट्स को हल्का सा भून लें। भूनने के बाद इसका स्वाद भी काफी ज्यादा आता है। ओट्स को भूनने के बाद एक पैन में तेल गरम करें, उसमें जीरा, सरसों के दाने और करी पत्ते डालें। जब जीरा भुन जाए तो पैन में बारीक कटा प्याज और हरी मिर्च उसमें डालें। प्याज भुनने के बाद पैन में सब्जियां डालकर 2-3 मिनट पकाएं। जब सब्जियां पक जाएं तो पैन में पानी और नमक डालकर उसमें उबाल आने दें। जब ये उबल जाए तो इसमें भुने हुए ओट्स डालें। अब इसे ढककर 5-7 मिनट तक रख दें, ताकि इसका पानी सूख जाए। जब पैन का पानी सूख जाए तो आखिर में इसमें धनिया पत्ती डालें और परोसें।

इडली बनाने का सामान

ओट्स- 1 कप, सूजी (रवा) - 1/2 कप, दही - 1 कप, पानी-आवश्यकतानुसार, नमक - स्वादानुसार, इनो/बेकिंग सोडा- 1/2 टीस्पून, हरी मिर्च - 1 , गाजर - 1/4 कप, धनिया पत्ता - 1 टेबलस्पून, तेल - थोड़ा।

विधि

अब जान लेते हैं इस खास इडली को बनाने का तरीका क्या है। इसके लिए सबसे पहले ओट्स को ड्राई रोस्ट करके मिक्सर में पीस लें। अब एक बाउल में ओट्स पाउडर, सूजी और दही मिलाएं। इस दौरान मात्रा का ध्यान रखें। थोड़ा-थोड़ा पानी मिक्स करके घोल तैयार करें। ये घोल ज्यादा पतला या ज्यादा गाढ़ा नहीं होना चाहिए। घोल तैयार होने के बाद इसमें नमक, हरी मिर्च, गाजर और धनिया मिलाएं। गाजर कद्दूकस की हुई होनी चाहिए, वरना इससे स्वाद बिगड़ जाएगा। अब इसे कुछ देर के लिए साइड में रख दें। 20 मिनट के बाद इसमें इनो डालें और इडली के सांचे को तेल से ग्रीस करने के बाद मिश्रण को सांचे में डालें। अब इसे बंद करके स्टीमर में कम से कम 15 मिनट के लिए रख दें। एक बार बीच में चाकू लगाकर चेक कर लें। अगर ये तैयार हो तो इसे निकालकर चटनी और सांभर के साथ परोसें।

हंसना मना है

दोस्त - तेरी बीवी कुछ कहती नहीं, जब शाम को दारू पीकर घर जाता है..बब्लू - कहती नहीं, बोलती है..! दोस्त क्या..बब्लू - बोलती है, कीड़े पड़ेंगें..तुम्हारे दोस्तों को जिन्होंने तुम्हें बिगाड़ा...!

शिकागो से लन्दन की उड़ान भर रहे एक जेट वायुयान के पायलट ने घोषणा की-'हमारे इंजन में कुछ खराबी आ गई है। अत: मैं प्रथम इंजन बंद कर रहा हूं। यात्रीगण चिंता नहीं करें। हम हीथ्रो हवाई अड्डे पर केवल 20 मिनट देर से पहुंचेंगे।'पांच मिनट बाद फिर घोषणा हुई-'मैंने इंजन नम्बर दो भी बंद कर दिया है। इसका मतलब कि अब हम 40 मिनट देर से पहुंचेंगे।' जल्दी ही फिर घोषणा हुई-'मजबूर होकर मुझे तीसरा इंजन भी बंद करना पड़ रहा है। अब हमें निकट एक घंटा देरी होगी।' यह सुनते ही एक यात्री ने खुद पड़ोस में बैठी महिला से कहा-'हे भगवान! कहीं यह चौथा एवं आखिरी इंजन बंद नहीं कर दे, अन्यथा हमें सारी रात यहीं गुजारनी पड़ जाएगी।'

कहानी लालची कुत्ता

एक गांव में एक लालची कुत्ता रहता था। वह गांव में घूम-घूमकर खाने की तलाश करता था। वह इतना लालची था कि उसे जितना भी खाने के लिए मिलता था, उसे कम ही लगता था। गांव के दूसरे कुत्तों के साथ पहले उसकी अच्छी दोस्ती थी, लेकिन उसकी इस आदत की वजह से सभी उससे दूर रहने लगे, लेकिन उसे कोई फर्क नहीं पड़ा, उसे सिर्फ अपने भोजन से मतलब था। कोई न कोई आते जाते उसे खाने के लिए कुछ न कुछ दे ही देता था। उसे जो खाने को मिलता उसे वो अकेले ही चट कर जाता। एक दिन उसे कहीं से एक हड्डी मिल गई। हड्डी को देखकर उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। उसने सोचा कि इसका आनंद तो अकेले ही लेना चाहिए। यह सोचकर वो गांव से जंगल की ओर जाने लगा। रास्ते में वह पुल के ऊपर से नदी पार कर रहा था, तभी उसकी नजर नीचे नदी के ठहरे हुए पानी पर पड़ी। उस समय उसकी आंखों में सिर्फ हड्डी का लालच था। उसे यह भी पता नहीं चला कि नदी के पानी में उसका ही चेहरा नजर आ रहा है। उसे लगा की नीचे भी कोई कुत्ता है, जिसके पास एक और हड्डी है। उसने सोचा कि क्यों न उसकी भी हड्डी छीन लूं, तो मेरे पास दो हड्डियां हो जाएंगी। फिर मैं एक साथ दो हड्डियों के मजे से खा सकूंगा। ऐसा सोचकर वह जैसे ही पानी में कूदा, उसके मुंह से हड्डी सीधे नदी में जा गिरी। मुंह से छुटकर हड्डी के पानी में गिरते ही कुत्ते को होश आया और उसे अपने किए पर पछतावा हुआ।

कहानी से सीख- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। लालच करने से हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री
लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

वृषभ नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी से बचें।

कर्क सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। थकान रह सकती है।

सिंह व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है। किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा।

तुला किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। शत्रुओं का पराभव होगा। प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

धनु दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। आय बनी रहेगी। नौकरी में कार्यभार रहेगा। जोखिम न लें। विवाद को बढ़ावा न दें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

मकर सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा। भाग्य अनुकूल है।

कुम्भ किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

मीन कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

स्कूल में मुझे कौआ कहकर चिढ़ाते थे बच्चे : वामिका गब्बी

वामिका गब्बी बॉलीवुड में नाम कमा रही हैं। उन्होंने कई शानदार फिल्मों में काम किया है। वामिका करीना कपूर के साथ भी काम कर चुकी हैं। वो फिल्म जब बी मेट में भी नजर आई थीं। वामिका ने इंडस्ट्री में नाम कमाने के लिए बहुत मेहनत की है। वो हुस्न से भी जलवा बिखेरती हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि एक्ट्रेस अपने नाम की वजह से स्कूल में बुली हो चुकी हैं। उन्हें स्कूल में बच्चे चिढ़ाते थे और कौआ कहकर बुलाते थे। दरअसल, वामिका का नाम Wamiqua था और यूनिक नाम होने की वजह से सभी उन्हें चिढ़ाते थे। वामिका ने एक इंटरव्यू में कहा था, मेरे पापा उस वक्त एक किताब लेकर आए थे और उस किताब में अरेबिक बेबी नेम थे। उन्होंने उस किताब से मेरा नाम रखा था और उन्होंने मेरे नाम का आखिरी अक्षर K से Q कर दिया था। इसीलिए मेरे नाम की स्पेलिंग Wamiqua हो गई थी। और ये ही मेरे लिए परेशानी की वजह बन गई। इसी कारण जब वो ज्यादा परेशान होने लगीं तो उन्होंने अपने नाम की स्पेलिंग Wamiqa कर दी। बता दें कि वामिका ने 13 साल की उम्र में इम्तियाज अली की फिल्म जब वी मेट से डेब्यू किया था। इस फिल्म में शाहिद कपूर और करीना कपूर लीड रोल में थीं। वामिका फिल्म में करीना की कजिन बनी थीं। इसके बाद उन्होंने लव आज कल, मौसम और बिट्टो बॉस जैसी फिल्मों में छोटे रोल्स प्ले किए। उन्हें अपना पहला बड़ा ब्रेक 2013 में मिला था। वो राज पुरोहित की Sixteen में दिखी थीं। इसके बाद उन्होंने पंजाबी सिनेमा में डेब्यू किया। वो फिल्म तू मेरा 22 मैं तेरा 22 में दिखीं। फिर उन्होंने साउथ इंडियन फिल्में भी कीं।

19 दिसंबर को रिलीज होगी अवतार: फायर एंड ऐश धुरंधर को देगी टक्कर

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 5 दिसंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जमकर नोट छाप रही है। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर फिल्म 150 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन कर चुकी है। वहीं वर्ल्डवाई भी फिल्म 200 करोड़ क्लब का हिस्सा बन गई है। लेकिन इस बीच एक हॉलीवुड फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने आ रही है। इस फिल्म की रिलीज के बाद धुरंधर का दबदबा कम हो सकता है।

ये हॉलीवुड फिल्म अवतार: फायर एंड ऐश है जो 19 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म अवतार फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में रिलीज के बाद अवतार: फायर एंड ऐश को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल सकता है और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कलेक्शन कर सकती है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक अवतार: फायर एंड ऐश भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपए से ज्यादा कमा सकती है। अगर ऐसा होता है तो ये फिल्म अपनी पिछली किस्त अवतार: द वे ऑफ वॉटर का रिकॉर्ड तोड़ देगी। 2022 में रिलीज हुई ये फिल्म अब तक भारत में सबसे ज्यादा कमाने वाली हॉलीवुड फिल्म है। इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 392 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। अवतार: द वे ऑफ वॉटर का रिकॉर्ड तोड़कर अवतार: फायर एंड ऐश भारत में सबसे ज्यादा कमाने वाली हॉलीवुड फिल्म बन जाएगी।

अवतार: फायर एंड ऐश बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार ओपनिंग करने वाली है। फिल्म ओपनिंग कलेक्शन के मामले में धुरंधर को मात दे देगी। धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर 28 करोड़ रुपए की ओपनिंग की थी। वहीं पिंकविला के प्रीडिक्शन के मुताबिक अवतार: फायर एंड ऐश भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 30 करोड़ से 35 करोड़ रुपए की ओपनिंग कर सकती है। ऐसे में अवतार: फायर एंड ऐश की रिलीज का रणवीर सिंह की फिल्म के कलेक्शन पर भी असर देखने को मिल सकता है।

बड़े पर्दे पर एंट्री लेंगी आरजे महवश, पंचायत के सचिव संग फरमाएंगी इश्क

सोशल मीडिया एन्फ्लुएंसर आरजे महवश अब बड़े पर्दे पर कदम रखने जा रही हैं। वो पंचायत के सचिव जी यानी जितेंद्र कुमार संग डेब्यू करेंगी। इस जोड़ी को कोरियोग्राफर-निर्देशक रेमो डिसूजा पर्दे पर भुनाने के लिए एकदम तैयार हैं। कोरियोग्राफर-निर्देशक रेमो डिसूजा ने अपनी नई फिल्म 'टेढ़ी है पर मेरी है' का अनाउंसमेंट टीजर जारी करते हुए इस अनोखी जोड़ी से पर्दा उठाया है। इस फिल्म की घोषणा करते हुए कोरियोग्राफर-निर्देशक रेमो डिसूजा ने कैप्शन में लिखा- गुलाब और नगमा की मोहब्बत एक ऐसी मोहब्बत जिसमें जान कम है लेकिन जुनून ज्यादा। गुलाब में मोहब्बत का कीड़ा है और नगमा में एक कुदरत का। दिल धड़कता है, कहानी मोड़ लेती है और प्यार जिद दिखाता है और उसी जिद में दिल धड़कते हैं। प्रस्तुत करते हैं- टेढ़ी हैं पर मेरी हैं।

टीजर में जितेंद्र कुमार की आवाज में वॉइस ओवर दिया गया है। वहीं टीजर वीडियो में एक वैन लगी पोस्टर में लीड एक्टर जितेंद्र का लुक भी दिखाया गया है। फिल्म में जितेंद्र 'गुलाब हकीम' के किरदार में दिखेंगे। वहीं आरजे महवश के किरदार का नाम 'नगमा' है। टीजर में महवश का झलक नहीं दिखाया गया है।

अनाउंसमेंट वीडियो में फिल्म की टीम और लीड कास्ट के नामों का खुलासा जरूर कर दिया गया है। वीडियो में जितेंद्र गुलाब और नगमा की अनोखी मोहब्बत की कहानी सुनाते हैं। जितेंद्र की आवाज में फिल्म की घोषणा सुनकर फैंस काफ उत्साहित हो गए हैं। वहीं फैंस जितेंद्र के अपोजिट महवश को देखने के लिए बेताब हो गए हैं। टेढ़ी हैं पर मेरी हैं के जारी टीजर में आने वाली फिल्म की कहानी में मौजूद रोमांस और ट्विस्ट का जायका लगने वाला है। ये एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म होगी। इस फिल्म को निर्देशक जयेश प्रधान निर्देशित करेंगे। फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी नेशनल अवॉर्ड विनर संगीतकार इस्माइल दरबार ने संभाली है।

अजब-गजब | ये है दुनिया की सबसे लंबी ट्रेन जर्नी

इस ट्रेन में बैठे-बैठे आधी दुनिया देख लेते हैं लोग, किराया जानकर रह जाएंगे हैरान

ट्रेन का रोमांच किसे नहीं भाता खिड़की से बाहर झांकते हुए पहाड़, नदियां, गांव और शहरों का नजारा। ये तो हर सफर का मजा है। लेकिन भारत में हम अपनी विवेक एक्सप्रेस को सबसे लंबी ट्रेन जर्नी मानते हैं, ये ट्रेन डिब्रूगढ़ से कन्याकुमारी तक चलती है। इसकी कुल लंबाई 4,273 किलोमीटर है और इस सफर को पूरा करने में करीब 80 घंटे का समय लगता है। लेकिन दुनिया में एक ऐसी ट्रेन यात्रा है जो आपके दिमाग की बत्ती गुल कर देगी।

ये है पुर्तगाल से सिंगापुर तक का रेल सफर। अपनी जर्नी में ये ट्रेन लगभग 18,755 किलोमीटर का सफर तय करती है। इसे पूरा करने में 21 दिन का समय लगता है। यानी पूरे 21 दिन रेल की पटरियों पर इंसान को समय बिताना पड़ता है। ये कोई लग्जरी ट्रेन नहीं होती। बल्कि 20 से ज्यादा सामान्य ट्रेनों का कनेक्शन है है। इसमें एक ही टिकट नहीं मिलता, हर देश की अलग बुकिंग और अलग वीजा की जरुरत प?ती है।

अगर पैसेंजर के पास सारे डॉक्यूमेंट्स मौजूद हैं, और सब कुछ सही रहा तो जर्नी की शुरूआत पुर्तगाल के दक्षिणी तटीय शहर लगोस से होती है। जहां समुद्र की लहरें और यूरोपीय सूरज की धूप है। फिर स्पेन के मैड्रिड, फ्रांस का पेरिस, जर्मनी का बर्लिन, पोलैंड का वारसॉ, बेलारूस होते हुए रूस के मॉस्को पहुंच जाता है। यहां से असली खेल शुरू होता है। अब पैसेंजर चढ़ते हैं ट्रांस-साइबेरियन रेलवे में। ये दुनिया की सबसे मशहूर रेल लाइन है जो 6,000 किलोमीटर से ज्यादा लंबी है। मॉस्को से मंगोलिया के उलानबातार, फिर चीन के बीजिंग तक, साइबेरिया के बर्फीले जंगल, बैकाल झील (दुनिया की सबसे गहरी), गोबी रेगिस्तान के रेत, सबके दर्शन हो जाते हैं। ये हिस्सा अकेले 6-7 दिन ले लेता है।

ट्रेन की आगे की जर्नी बीजिंग से दक्षिण की ओर होती है। चीन के हाई-स्पीड ट्रेन से कुनमिंग, फिर लाओस-चीन रेलवे से विएंटियाने, वियतनाम होते हुए थाईलैंड का बैंकॉक तक का सफर तय होता है। आखिर में मलेशिया के कुआलालंपुर से सिंगापुर देखने को मिलता है। चमचमाते शहर में उतरते ही 8 टाइम जोन पार हो चुके होते हैं। अपनी इस जर्नी में ट्रेन कुल तेरह देश पार करता है, जिसमें पुर्तगाल, स्पेन, फ्रांस, जर्मनी, पोलैंड, बेलारूस, रूस, मंगोलिया, चीन, वियतनाम, लाओस, थाईलैंड, मलेशिया और सिंगापुर शामिल है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मुताबिक, ये सबसे लंबी संभव ट्रेन जर्नी है। इस सफर को पूरा करने में कुल लागत आती है सिर्फ 1,350 डॉलर यानी करीब 1।1 लाख रूपये।

500 साल पुराना है यह वटवृक्ष, इसकी एक डाली तोड़ने या काटने वाला हो जाता है अंधा

गयाजी। लगभग 500 साल पुराने इस वटवृक्ष को बिहार सरकार ने विरासत वृक्ष यानी हेरिटेज ट्री सूची में शामिल किया है। बिहार के औरंगाबाद जिले के मदनपुर प्रखंड के सहियारी गांव में मौजूद वटवृक्ष को बिहार सरकार के पर्यावरण विभाग ने बिहार के 32 पेड़ों को विरासत वृक्ष के रूप में मान्यता दी है। इन 32 पेड़ों में से एक पेड़ औरंगाबाद जिले के मदनपुर प्रखंड के सहियारी गांव में है। जहां एक विशाल बरगद के पेड़ को जिसकी आयु 500 साल से अधिक है, विरासत वृक्ष के रूप में शामिल किया गया है। बिहार पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने 5 जिलों में 32 पेड़ों के चयन का ऐलान किया है। जिन्हें जैव विविधता विरासत वृक्ष के रूप में नामित किया गया है। इनमें बरगद, पीपल, नीम, महुआ और इमली की प्रजातियां शामिल हैं। संरक्षित वृक्षों में बक्सर, औरंगाबाद, जमुई, मुंगेर और भागलपुर के पेड़ शामिल हैं। औरंगाबाद के सहियारी गांव में 1 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में फैले बरगद के इस वृक्ष की मान्यता ऐसी है कि इसकी डाली कोई भी तोड़ ले या काट ले वह अंधा हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि इस कारण से इस वृक्ष को देवी माता का अवतार मानकर पूजा जाता है। जिसके नीचे देवी माता के बेदी का भी निर्माण किया गया है। लोगों का कहना है कि यह पेड़ इतना पुराना है कि दादा-परदादाओं के समय से इसकी चर्चा हो रही है। गांव में खुशी का मौका हो या कोई धार्मिक अनुष्ठान इसकी पूजा जरूर की जाती है। वन विभाग के विशेषज्ञों की मदद से इस वृक्ष का संरक्षण किया जाएगा। जिससे यह महावटवृक्ष आगे कई सदियों तक जीवित और रोगमुक्त रहे इसके लिए भी कदम उठाए जाएंगे। बिहार जैव विविधता पर्षद की ओर से विरासत वृक्ष घोषित करने के लिए जिन पेड़ों का चयन किया है, उनमें सबसे पुराना औरंगाबाद का है। यहां पर 500 वर्ष पुराना बरगद है, जो करीब एक बीघे में फैला है। इसमें मुख्य पेड़ के अलावा इसकी शाखा से करीब 50 और जड़ें निकली हैं। यह वृक्ष अपने आकार, विस्तार और स्थानीय सांस्कृतिक जुड़ाव के लिए वर्षों से चर्चित रहा है।

भाजपा की लापरवाही से दिल्ली की जनता परेशान : भारद्वाज

» आप नेता ने प्रदूषण को लेकर फिर घेरा, बोले- दूषित पानी पीने को मजबूर हैं दिल्लीवासी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में पेयजल की गुणवत्ता को लेकर आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि एनजीटी में स्वयं भाजपा सरकार ने स्वीकार किया है कि हरियाणा के ड्रेन नंबर-6 से आने वाला सीवेज और औद्योगिक कचरा दिल्ली के ताजे पानी को दूषित कर रहा है। यह वही मुद्दा है जिसे आप सरकार वर्षों से उठाती रही, लेकिन तब भाजपा और उपराज्यपाल इसे प्रोपेगंडा कहकर खारिज कर देते थे। उन्होंने बताया कि आप सरकार के समय भी इंडस्ट्रियल वेस्ट का मुद्दा बार-बार उठाया गया था।

पार्टी ने ताजेवाला बैराज क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रेत खनन और डीडी-8 व डीडी-2 नालों के माध्यम से सोनीपत और पानीपत के औद्योगिक कचरे के यमुना में मिलने के सबूत सार्वजनिक किए थे। उस समय भाजपा ने न केवल इन तथ्यों को नकारा, बल्कि हरियाणा सरकार ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज कर दी थी। सौरभ भारद्वाज के अनुसार, जब हरियाणा से यमुना में इंडस्ट्रियल वेस्ट मिल जाता है, तो दिल्ली के वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट उसे फिल्टर करने में सक्षम नहीं रहते। इस कारण पानी में अमोनिया का स्तर असामान्य रूप से बढ़ जाता है। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले वर्षों में अमोनिया का स्तर 6.5 पीपीएम से भी ऊपर पहुंच गया था, जबकि 2-2.5 पीपीएम तक का स्तर भी गंभीर माना जाता है। ऐसी स्थिति में वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला जल शोधन संयंत्रों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ता है।

दिल्ली के वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट फिल्टर करने में सक्षम नहीं

भ्रष्ट अधिकारियों को मिली पूरी छूट

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायतें दर्ज होने के बावजूद न तो उन्हें हटाया गया और न ही एफआईआर कराई गई। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों भाजपा पार्षद पंकज लूथरा ने शाहदरा जोन के डीसी पर गंभीर आरोप लगाए थे, लेकिन कार्रवाई के बजाय आरोपों पर उल्टा पार्षदों को ही कटघरे में खड़ा कर दिया गया।

कूड़ा प्रबंधन में भाजपा पार्षदों के आरोपों पर आप ने खड़े किए सवाल

एमसीडी में कूड़ा प्रबंधन पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थायी समिति की बैठक में भाजपा के वरिष्ठ पार्षद राजपाल ने लगाए आरोपों के बाद आम आदमी पार्टी ने भाजपा शासित एमसीडी पर हमला बोला है। आप के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने प्रेसवार्ता कर कहा कि जब भाजपा के पार्षद ही भ्रष्टाचार की बात कह रहे हैं, तब यह स्पष्ट है कि कूड़े के नाम पर बड़ी गड़बड़ी हो रही है। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि निजी कंपनियां निर्माण स्थलों से इकट्ठा मलबा लैंडफिल साइट पर कूड़े के रूप में डालकर उसे तौलवाती हैं और प्रति टन भुगतान एमसीडी से लेती हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के अनेक क्षेत्रों में कूड़ा नहीं उठ रहा, लेकिन इसके बावजूद ठेकेदारों को करोड़ों रुपये दिए जा रहे हैं। आप संयोजक ने कहा कि भाजपा पार्षदों के मुताबिक एमसीडी के 12 जोनों में एक भी उपायुक्त एमसीडी कैडर का नहीं है।

दिवाली को यूनेस्को में विश्व धरोहर घोषित करना गर्व की बात : कु. सैलजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दीपावली के सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व को देखते हुए, यूनेस्को ने इसे आधिकारिक तौर पर अपनी अमूर्त विरासत सूची में शामिल कर लिया है। कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि यह देशवासियों के लिए गर्व की बात है कि दिवाली के त्योहार को यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में शामिल किया गया है। दुनिया भर में लोग दिवाली मनाते हैं, और विश्व स्तर पर इसे मान्यता मिलना गर्व की बात है। दीपावली, प्रकाश का त्योहार, जो पूरे भारत में रंगारंग सजावट, उत्सवपूर्ण समारोहों और शानदार आतिशबाजी के साथ मनाया जाता है, लंबे समय से आशा, प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक रहा है।

दीपावली के सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व को देखते हुए, यूनेस्को ने इसे आधिकारिक तौर पर अपनी अमूर्त विरासत सूची में शामिल कर लिया है। इसे गर्व का क्षण बताते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की इसकी सराहना की और कहा कि यह आधुनिक युग में भी हमारी प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं के महत्व को दर्शाता है। शाह ने अपने पोस्ट में लिखा भारत के लिए गर्व का क्षण है क्योंकि दीपावली यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में शामिल हो गई है। यह आधुनिक युग में भी हमारी प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं के महत्व को दर्शाता है। प्रकाश का यह त्योहार प्राचीन काल से ही हमें अच्छाई और धर्म की विजय में विश्वास करने के लिए प्रेरित करता रहा है। यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि अब यह वैश्विक कल्याण को बढ़ावा देगा।

गवाई पर जूता फेंकने वाले वकील की अदालत में चप्पल से पिटाई

» वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शाहदरा जिले में स्थित कड़कड़डूमा कोर्ट के अंदर एक वकील के साथ हाथापाई का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि वीडियो में वकील राकेश किशोर के साथ हाथापाई की जा रहा है, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में पूर्व सीजेआई बीआर गवई पर जूता फेंका था। राकेश मंगलवार को किसी काम के चलते कड़कड़डूमा कोर्ट परिसर में गए थे। इसी दौरान किसी ने उनके साथ हाथापाई की। इस मामले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया अभी तक इसको लेकर कोई शिकायत नहीं मिली है। अगर पीड़ित शिकायत करते है तो तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि वायरल वीडियो में राकेश के साथ कोई हाथापाई कर रहा है। राकेश पीटने वाले शख्स से सवाल करते दिख रहे हैं कौन है, मुझे क्यों मार रहा है। इसके बाद राकेश नारा लगाते दिख रहे हैं, सनातन धर्म की जय हो। हालांकि इस पूरे मामले को लेकर पुलिस में किसी तरह की शिकायत नहीं दी गई है। वहीं दूसरी तरफ यह भी साफ नहीं हो पाया है कि ये हमला राकेश किशोर पर क्यों और किसने किया है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया यानी बीसीआई ने राकेश किशोर का वकालती लाइसेंस तुरंत सस्पेंड कर दिया। बीसीआई ने यह भी कहा कि राकेश के खिलाफ डिसिप्लिनरी एक्शन लिया जाएगा। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन यानी एससीबीए ने भी राकेश किशोर की मेंबरशिप टर्मिनेट यानी खत्म कर दी। घटना को लेकर राकेश किशोर के खिलाफ क्रिमिनल कंटेंप्ट प्रोसीडिंग्स यानी आपराधिक अवमानना का केस भी दायर करने की इच्छा जताई गई जिसके लिए अटॉर्नी जनरल ऑफ इंडिया ने इजाजत दे दी। मगर बाद में सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने यह संकेत दिया कि वो शायद अवमानना की कारवाई आगे नहीं बढ़ाने वाले।

स्मार्ट सिटी में सड़क पर कूड़े का कब्जा

» जोन 1 में सफाई व्यवस्था ध्वस्त, प्राइवेट कंपनियां कागजों में सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्मार्ट सिटी बनने का दावा करने वाला लखनऊ नगर निगम अपनी सफाई व्यवस्था को लेकर लगातार सवालों में घिरता जा रहा है। जोन 1 के यदुनाथ सान्याल/नजरबाग वार्ड में स्थित फूलबाग छोटी पार्क के पास और ग्रेस डेविस स्कूल के निकट कूड़ा न उठने से स्थानीय लोगों में नाराजगी है। पूरे दिन के इंतज़ार के बाद भी कूड़ा संग्रहण वाहन नहीं पहुंचते, जिससे सड़क पर गंदगी का ढेर जमा हो जाता है। ग्रेस डेविस स्कूल के बगल में स्थित कूड़ा पड़ाव घर को कुछ समय पहले बाउंड्री वॉल बनाकर बंद कर दिया गया, लेकिन नया पड़ाव घर न बनाने की वजह से अब कूड़ा सीधे सड़क पर ही डाला जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि रोजाना सड़क पर जमा कूड़ा दुर्गंध फैलाता है और बच्चों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डाल रहा है। नगर निगम द्वारा नियुक्त प्राइवेट सफाई एजेंसियां धरातल पर काम करने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही हैं। जबकि कागज़ों में सफाई कार्य पूरा दिखाकर नियमित भुगतान कराया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर नगर निगम समय-समय पर इन एजेंसियों पर जुर्माना लगाकर अपनी कार्रवाई का प्रदर्शन मात्र करता है, जिससे जुर्माना और भुगतान का खेल संदेह खड़ा करता है। सूत्र बताते है कि निगम में बैठे कुछ बाबुओं की मिलीभगत से फाइलें आसानी से पास हो जाती हैं, और एजेंसियों को भुगतान में कोई दिक्कत नहीं आती। इससे साफ है कि सफाई व्यवस्था की निगरानी व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है।

शरद पवार के जन्मदिन के रात्रिभोज में जुटीं हस्तियां

» राहुल, प्रियंका, अजित पवार और अडानी हुए शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शरद पवार ने अपने जन्मदिन से पहले अपने आवास पर रात्रिभोज का आयोजन किया। जिसमें राहुल गांधी और गौतम अदाणी समेत राजनीतिक और व्यवसायिक जगत के दिग्गज शामिल हुए। पवार (84) के राजनीतिक रूप से अलग हो चुके भतीजे अजित पवार, प्रियंका गांधी वाद्रा तथा तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सहित कई प्रमुख हस्तियां यहां 6, जनपथ स्थित पवार के आवास पर मौजूद थीं।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पवार 12 दिसंबर को अपना 85वां जन्मदिन मनाएंगे। तृणमूल कांग्रेस नेता सौगत राय, भाजपा नेता डी पुरंदेश्वरी और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू भी पवार के आवास पर रात्रिभोज में शामिल हुए। इस अवसर पर संसद के कई अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

सीरीज में बढ़त लेने के इरादे से उतरेगा भारत

» अफ्रीका से दूसरा टी20 आज, गिल और सूर्या के प्रदर्शन पर रहेंगी नजरें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुल्लांपुर। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुरुवार को पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। भारत ने पहले टी20 में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की और सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। अब टीम की नजरें सीरीज में बढ़त मजबूत करने पर टिकी होंगी। आमतौर पर भारतीय टीम विजयी संयोजन से छेड़छाड़ नहीं करती, इसलिए यह देखने लायक होगा कि दूसरे टी20 के लिए क्या भारतीय टीम प्रबंधन ये जोखिम उठाएगी?

भारत ने पहले टी20 में वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, संजू सैमसन और हर्षित राणा को बाहर रखा था। इसमें सबसे ज्यादा हैरानी सैमसन को बाहर रखने पर हुई थी जिनकी जगह जितेश शर्मा को तरजीह दी गई। सैमसन कुछ समय पहले तक नियमित रूप से टी20 टीम का हिस्सा थे। पहले टी20 से गिल ने चोट के बाद वापसी की, लेकिन वह इसे यादगार नहीं बना सके और चार रन बनाकर आउट हुए। गिल निश्चित रूप से पावरप्ले में अभिषेक शर्मा की तरह आक्रामक बल्लेबाजी नहीं कर सकते हैं और इसलिए उन्हें यह पता लगाना होगा कि वह अपनी भूमिका कैसे अच्छी तरह निभा सकते हैं।

गिल के अलावा कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन भी अगले साल फरवरी मार्च में होने वाले टी20 विश्वकप से पहले चिंता का विषय बना हुआ है। उनका विश्वकप से पहले फॉर्म में लौटना भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

वनडे में एक और दो रैंकिंग पर रो-को का दबदबा

दुबई। विराट कोहली ने आईसीसी वनडे रैंकिंग में बल्लेबाजों में भारत की बादशाहत कायम है। कोहली ताजा रैंकिंग में में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। कोहली पिछले कुछ समय से लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने जाने के बाद उनकी रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। रोहित शर्मा ने अपनी शीर्ष रैंकिंग कायम रखी। कोहली और रोहित ने आईसीसी वनडे बैटिंग चार्ट में भारतीय वर्चस्व को और मजबूत किया है। शुभमन गिल ने भले ही उन्होंने वनडे सीरीज नहीं खेली, लेकिन वह अपने पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। वहीं कप्तानी संभाल रहे केएल राहुल दो स्थान चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। कुलदीप यादव तीन स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अक्षर पटेल (13वें), अर्शदीप सिंह (20वें) और जसप्रीत बुमराह (25वें) स्थान पर पहुंचकर फायदे में रहे। टेस्ट बल्लेबाजों में यशस्वी जायसवाल नंबर आठ पर टिके हुए हैं, जबकि शुभमन गिल और ऋषभ पंत एक-एक स्थान ऊपर बढ़कर क्रमशः 11वें और 13वें पायदान पर पहुंच गए हैं। टेस्ट गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह पहले स्थान पर बने रहते हुए शानदार फॉर्म में हैं। उनके बाद मोहम्मद सिराज, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव भी एक-एक स्थान ऊपर आए हैं।

किसान आंदोलन से धधक उठा राजस्थान

पुलिस से भिड़ंत, 70 से अधिक लोग घायल, विपक्षी नेताओं की चेतावनी- निर्माणाधीन एथेनॉल फैक्टरी बंद हो

» कांग्रेस ने भाजपा सरकार को घेरा

» पूर्व सीएम गहलोत बोले- किसानों से नफरत करती है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले में गुरुवार का दिन भी तनावपूर्ण बना रहा, यहां किसानों और विपक्षी नेताओं ने चेतावनी दी कि निर्माणाधीन एथेनॉल फैक्टरी के खिलाफ उनका आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं। किसान सुबह से ही तिब्बी के पास स्थित गुरुद्वारे में जुटने लगे, वहीं दूसरी ओर इलाके में इंटरनेट सेवाएं लगातार दूसरे दिन भी बंद रहीं।

फैक्टरी के पास रहने वाले करीब 30 परिवार डर की वजह से अपने घर छोड़कर जा चुके हैं। उधर इसको लेकर सियासत भी आरंभ हो गई। कांग्रेस ने भाजपा सरकार को घेर लिया है। राज्य में पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा है कि भाजपा सरकार को किसानों से नफरत है।

बता दें कि बुधवार को तब हिंसा भड़क गई जब सैकड़ों किसानों ने राठीखेड़ा गांव स्थित ड्यून एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड के निर्माण स्थल पर धावा बोल दिया। उन्होंने फैक्टरी की दीवार तोड़ दी और दफ्तर तथा कई वाहनों में आग लगा दी। जब पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की तो दोनों पक्षों में भिड़ंत हो गई। पुलिस ने लाठीचार्ज और आँसू गैस का प्रयोग किया, जिससे किसानों का गुस्सा और भड़क गया। उन्होंने एक पुलिस जीप समेत दर्जनभर से अधिक वाहनों को फूंक दिया। हिंसा में 50 से अधिक लोग, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं, घायल हुईं।

कांग्रेस, सीपीआई (एम) और हरियाणा-पंजाब के किसान संगठनों का आंदोलन को समर्थन

गुरुवार को दुकानें खुल गईं और हालात सामान्य दिखे, लेकिन किसान गुरुद्वारे में जमा होते रहे। दोपहर में आगे की रणनीति तय करने के लिए किसानों की बैठक होनी है। कई घायल महिलाएं भी गुरुद्वारा सिंह सभा में रातभर रुकी रहीं। कांग्रेस, सीपीआई(एम) और हरियाणा-पंजाब के किसान संगठनों के नेता आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं।

रोजगार की बात कर लोगों को गुमराह किया : रवजोत सिंह

इधर, फैक्टरी हटाओ संघर्ष समिति के नेता रवजोत सिंह ने कहा कि झड़प में 70 से अधिक लोग घायल हुए। किसानों ने सिर्फ लिखित आश्वासन मांगा था कि निर्माण रोका जाएगा, लेकिन उनकी मांगों को नजरअंदाज कर प्रशासन ने हालात बिगाड़े। उन्होंने रोजगार की बात कर लोगों को गुमराह किया।100 से ज्यादा किसान रातभर गुरुद्वारे में रुके रहे और सुबह भी किसान पहुंच रहे हैं। कांग्रेस नेता शबनम गोडारा ने कहा कि हिंसा के लिए पूरी तरह प्रशासन जिम्मेदार है। किसान संगठनों का कहना है कि जब तक पर्यावरण मंजूरी और स्थानीय निवासियों की सहमति नहीं मिलती, फैक्टरी नहीं चलने दी जाएगी। वहीं, चंडीगढ़ स्थित ड्यून एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड, जो अनाज आधारित एथेनॉल प्लांट बना रही है, उनका कहना है कि यह परियोजना केंद्र के एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल कार्यक्रम को बढ़ावा देगी।

कांग्रेस विधायक अभिमन्यु पूनिया के सिर में चोट

कांग्रेस विधायक अभिमन्यु पूनिया के सिर में चोट आई और उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया। बुधवार को हालात को देखते हुए स्कूल, कॉलेज और बाज़ार बंद रहे। हनुमानगढ़ कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने बताया कि एथेनॉल प्लांट को सभी ज़रूरी स्वीकृतियां मिल चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यह फैक्टरी 2022 में राइजिंग राजस्थान समिट के दौरान स्वीकृत हुई थी। भूमि रूपांतरण से लेकर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तक सभी अनुमतियां मिल चुकी हैं। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण महापंचायत की अनुमति दी गई थी, लेकिन कुछ असामाजिक तत्व निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए फैक्ट्री की ओर बढ़ गए। लोगों ने कानून हाथ में लिया। इसमें शामिल लोगों पर कार्रवाई की जा रही है। तिब्बी और राठीखेड़ा में पुलिस, आरएसी और होमगार्ड के अतिरिक्त बल तैनात कर दिए गए हैं।

बिहार में अपराधियों की बहार, मौन है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में जबसे एनडीए की सरकार आई है। गृहमंत्री भाजपा के सम्राट चौधरी बने वहां पर अपराधों में इजाफा हो गया है। कहीं टीचर मारे जा रहें हैं तो कहीं पर राजनैतिक पार्टियों के कार्यकर्ता मारे जा रहे हैं। ताजा मामला पटना के अगवानपुर गांव में दबंगों की गुंडागर्दी का सामने आया है। यह इतना शर्मनाक है कि सुन रोंगटे खड़े हो जा रहें हैं। इस बीच राजद व अन्य विपक्षी दलों ने एनडीए सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठा दिया है।

आपको बता दे पटना में कुछ असामाजिक तत्वों ने आकाश कुमार नामक युवक को पकड़कर न सिर्फ बिजली के खंभे से बांध दिया, बल्कि उसकी बेरहमी से पिटाई भी की। भीड़ ने युवक की बाइक को भी तोड़-फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़ित आकाश कुमार ने बताया कि वह स्टेशन से नाश्ता कर घर लौट रहा था। इसी दौरान गांव में पहले से मौजूद 10से20 युवक उसे जबरन खींचकर ले गए और खंभे से बांध दिया। इसके बाद आरोपियों ने उसे घसीटकर लात-घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार, इससे पहले भी आकाश के साथ मारपीट की घटना हो चुकी है। ग्रामीणों और हमलावरों का आरोप था कि आकाश ने गांव में गोली चलाई थी, इसी शक में उसे पकड़कर पीटा गया। लेकिन पुलिस ने जांच के बाद इस दावे को खारिज कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और भीड़ के चंगुल से युवक को मुक्त कर उसे इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि घटनास्थल से फायरिंग का कोई सबूत या खोखा नहीं मिला है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और कानून हाथ में लेने वालों की पहचान की जा रही है।

थाईलैंड पुलिस ने गोवा अग्निकांड के आरोपियों को हिरासत में लिया

» लूथरा ब्रदर्स को भारत लाए जाने की तैयारी तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गोवा के बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा को थाईलैंड में हिरासत में लिया गया है। जिनकी पहली तस्वीर भी सामने आई है। हादसे के बाद दोनों भाई दिल्ली से थाईलैंड के फुकेट भाग गए थे। इससे पहले एक्शन लेते हुए पुलिस ने गोवा के बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब के मालिक लूथरा ब्रदर्स का पासपोर्ट सस्पेंड कर दिया।

दरअसल, गोवा के बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब में लगी आग में 25 लोगों की मौत हो गई थी। मृतकों में 20 स्टाफ और 5 पर्यटक शामिल थे। बताया जा रहा है कि जिस समय आग लगी और बचाव कार्य चल रहा था, उसी

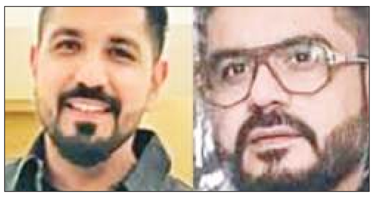

वक्त लूथरा ब्रदर्स ने थाइलैंड की टिकट बुक की और दिल्ली से फ्लाइट से देश छोड़कर भाग खड़े हुए। लूथरा ब्रदर्स पर गैर-इरादतन हत्या और लापरवाही का केस चल रहा है। थाईलैंड में हिरासत में लिए गए लूथरा ब्रदर्स की पहली तस्वीर सामने आई है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, डिटेन करने के बाद दोनों लोगों को वापस दिल्ली लाया जाएगा। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जारी किया गया है।

लोकसभा में ई-सिगरेट पीने को लेकर कोहराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने आज तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद पर गंभीर आरोप लगाए। अनुराग ठाकुर ने स्पीकर ओम बिरला से इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराने की मांग की। इस पर स्पीकर ने उन्हें आश्वस्त किया कि किसी भी तरह के नियमों के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सदन के नियमों के मुताबिक समुचित जांच कराई जाएगी। हिमाचल प्रदेश से निर्वाचित लोकसभा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रश्नकाल के दौरान कहा, पूरे देश में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगाया गया है, लेकिन संसद में तृणमूल कांग्रेस सांसद ई-सिगरेट पी रहे हैं। उनकी इस बात को गंभीरता से लेते हुए स्पीकर ओम बिरला ने कहा, संसदीय नियमावली के तहत इस घटना की जांच कराई जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि संसद की मर्यादा से किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अनुराग ठाकुर ने दोपहर करीब 11.27 बजे प्रश्न पूछा। उन्होंने केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के मंत्री सीआर पाटिल से पूछा कि हिमाचल प्रदेश को केंद्र सरकार ने तटीयकरण के लिए कितना फंड आवंटित किया? इसके बाद उन्होंने स्पीकर ओम बिरला से सदन की व्यवस्था से जुड़ा सवाल किया।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह के भाषण पर बवाल

» राजद, कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने उठाया सवाल

» कभी सोचा भी नहीं था कि बहस इतनी घटिया हो जाएगी : मनोज झा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण के एक दिन बाद बवाल मच गया है। पूरे विपक्ष ने सवाल उठा दिया है। आरजेडी सांसद मनोज झा ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि संसदीय बहस का स्तर इतना गिर जाएगा। एएनआई से बात करते हुए झा ने याद दिलाया कि कैसे विपक्ष ने चुनावी प्रक्रि याओं को लेकर चिंताओं को लेकर सबसे पहले चुनाव आयोग से संपर्क किया था। उन्होंने कहा कि पहले हमने चुनाव आयोग से संपर्क किया, लेकिन वहां से कोई हल नहीं निकला, जिसके बाद हमें सर्वोच्च न्यायालय जाना पड़ा, और तब जाकर हमारी जिद खत्म हुई। व्यापक और रचनात्मक बहस की बुनियाद के पतन पर दुख व्यक्त करते हुए उन्होंने आगे कहा कि मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि लोकसभा में बहस का स्तर इतना गिर जाएगा... मुझे बहस की वह बुनियाद ही गायब दिख रही है जो समग्र रूप से होनी चाहिए थी। इसी बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर शाह की प्रशंसा की। उन्होंने शाह के भाषण को उत्कृष्ट बताते हुए भारत की चुनावी प्रणाली के बारे में ठोस तथ्य प्रस्तुत करने के लिए उनकी सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि शाह ने न केवल भारत के लोकतंत्र की मजबूती को समझाया, बल्कि विपक्ष के झूठ का पर्दाफाश भी किया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 । **Email**: daily4pm@gmail.com ।
website: www.4pm.co.in । **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- **SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।